6.1.23 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व स्वयं वादी उप.
नहीं है। वकील वादी व स्वयं वादी को तीन बार
आवाज लगवाई गयी बावजूद इन्तजार के न्याया.
में उप. नहीं है। अतः वाद को बाद अदम हाजरी
अदम पैरवी के खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल
शुमार होकर बाद तामील तकमील के दाखिल दफ्तर
हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Pooja Meena
Date: 2024.04.04 17:23:59 IST
Reason: SelfAttested